धार्मिक पर्यटन

तेजी से विकसित होता मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत अभियान चल रहा है। राज्य सरकार भी इस अभियान में हरसंभव सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पर्यटन विकास को रोजगार से जोड़ा है।

पर्यटन बढ़ता है, तो लोगों को रोजगार के नए-नए अवसर मिलते हैं। देश में पर्यटन क्षेत्र बहुत तेजी से विकास कर रहा है। इसमें मध्यप्रदेश भी पीछे नहीं है। गत वर्ष धार्मिक पर्यटन के लिए देश में सर्वाधिक पर्यटकों ने मध्यप्रदेश को ही चुना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आस्था, श्रद्धा और धार्मिक पर्यटन के लिए किए गए आग्रह के परिणामस्वरूप सभी धार्मिक पर्व और उत्सव, उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाए जा रहे हैं। महाकुंभ के क्रम में मध्यप्रदेश के चित्रकूट धाम, उज्जैन, ओरछा, दतिया जैसे धार्मिक स्थानों पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शनार्थ पधार रहे हैं। धार्मिक पर्यटन की इन गतिविधियों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहन मिला है। उज्जैन में ही गत वर्ष 6 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पधारे। महाकाल लोक में श्रद्धालुओं के बढ़ रहे आवागमन को देखते हुए राज्य सरकार उनकी सुविधा के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसी के अंतर्गत महाकाल लोक में आवागमन और दर्शन की सुगम व्यवस्था के लिए 6 द्वार विकसित किए जा रहे हैं।

> गत दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली के अवसर पर महाकाल लोक परिसर रुद्र सागर, उज्जैन में वाटर स्क्रीन प्रोटेक्शन और फाउंटेन शो का लोकार्पण किया। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने 18 करोड़ 7 लाख रुपए से स्थापित लेजर एंड साउंड शो में भगवान श्री महाकालेश्वर, मोक्षदायनी शिप्रा नदी तथा अवंतिका नगरी की कीर्ति गाथा को प्रदर्शित किया। लगभग 25 मिनट अवधि का लाइट एंड साउंड शो देखते ही बनता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्री अन्न लड्डू प्रसादम का शुभारंभ किया, जो मिलेट (श्रीअन्न) से निर्मित होगा। साथ श्री महाकालेश्वर बैंड का भी शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा महाकाल के आशीर्वाद से राष्ट्र का तेजी से विकास हो रहा है। पूरे देश में उज्जैन अर्थात अवंतिका नगरी का विशेष स्थान है। उज्जैन का अपना गौरवमयी इतिहास है। रुद्र सागर महाकाल लोक परिसर में लाइट एंड साउंड शो से उज्जैन आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु उज्जैन की गौरव गाथा से परिचित होंगे। यह शो उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर में भगवान श्री पशुपतिनाथ लोक का लोकार्पण भी किया। प्रथम चरण में लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से लोक का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर परिसर में पालकी में रजत प्रतिमा के रूप में विराजित भगवान पशुपतिनाथ की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने ई-कार्ट में बैठकर पशुपतिनाथ लोक का भ्रमण किया और इसकी भव्यता को सराहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22 फीट ऊंचे त्रिनेत्र रुद्राकनी का अनावरण किया। इसके मध्य में स्थापित रुद्राक्ष भगवान शिव के त्रिनेत्र स्वरूप का दिव्य आभास कराता है।

जागेश्वरनाथ धार्मिक आस्था का नया केन्द्र

> **मुख्यमंत्री ने भगवान जागेश्वरनाथ का किया पूजन**
> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बांदकपुर में देवश्री जागेश्वर नाथ की पूजा अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि की कामना करते हुए उन्होंने माता पार्वती और साधु-संतों का आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दमोह जिले के जागेश्वरनाथ मंदिर के नवनिर्माण का संकल्प लेते हुए भगवान देवश्री जागेश्वरनाथ का अभिषेक देश की पवित्र नदियों के जल और पवित्र धार्मिक स्थलों की मिट्टी से शिवलिंग का पूजन किया. देवश्री जागेश्वरनाथ मंदिर में 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कॉरिडोर से भगवान श्री जागेश्वरनाथ मंदिर की भव्यता बढ़ेगी। मंदिर के कॉरिडोर बनने से मंदिर सहित क्षेत्र की भव्यता बढेगी, सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जागेश्वर धाम धार्मिक आस्था का केन्द्र है। कॉरिडोर की सौगात से क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी की गई. देवश्री जागेश्वरनाथ धाम बहुत ही दिव्य और भव्य बनेगा। कॉरिडोर में दुकान, फूड कोर्ट, संस्कृत विद्यालय और 12 ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृति भी बनेगी।

देवश्री जागेश्वरनाथ लोक की देश के 13 वें ज्योतिर्लिंग के रूप में पहचान है। प्रथम चरण में लोक के लिए 10 करोड़ रुपए की लागत से आवश्यक कार्य शुरू होगा। अभी तक बुंदेलखंड की पहचान खजुराहो से थी. 5 साल बाद बुंदेलखंड देवश्री जागेश्वर नाथ धाम के नाम से जाना जायेगा। बुंदेलखंड अब खजुराहो के साथ बांदकपुर धाम के नाम से भी जाना जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वैश्विक नेता हैं। उनके नेतृत्व में बनारस में बाबा विश्वनाथ का धाम भव्य रूप ले चुका है। अयोध्या में भी भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बना है। सनातन संस्कृति में 7 प्रमुख नगरियां हैं। जब अयोध्या का फैसला आया तो यह लोकतंत्र के गौरव का अवसर था, जिसका सभी धर्म के लोगों ने मिलकर स्वागत किया और एकजुटता दिखाई थी।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही प्रदेश में तीर्थाटन की परंपरा को संरक्षित और प्रोत्साहित करते हुए एवं प्रदेश के बुजुर्गों को तीर्थयात्रा का लाभ दिए जाने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना का संचालन किया जा रहा है। ''मध्यप्रदेश तीर्थ-दर्शन योजना'' केवल धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह परिवार और समाज में बुजुर्गों के सम्मान को पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। पांच महीनों में प्रदेश के बुजुर्गों को तिरुपति, रामेश्वरम, कामाख्या, द्वारका, वैष्णोदेवी, जगन्नाथपुरी और अयोध्या में तीर्थ दर्शन कराए जाएंगे। प्रदेश के विभिन्न जिलों से वरिष्ठ नागरिकों के समूह देश के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा के लिए भेजे जाएंगे धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा संबंधित जिलों के कलेक्टर्स को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। योजना उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए है जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है तथा वे आयकर-दाता नहीं हैं।

सीएम डॉ. यादव करेंगे नोहलेश्वर महोत्सव का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सांस्कृतिक रूप से चरमोत्कर्ष पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए बुंदेलखंड के दमोह जिले में नोहटा स्थित नोहलेश्वर मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला नोहलेश्वर महोत्सव इस वर्ष अधिक भव्यता के साथ मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 11 से 15 फरवरी 2026 तक चलने वाले इस 5 दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इस महोत्सव में कला, संस्कृति, साहित्य एवं भक्ति संगीत जगत की ख्यातनाम हस्तियां अपनी प्रस्तुतियां देंगी। बुंदेलखंड की धार्मिक आस्था के इस केंद्र पर होने जा रहे नोहलेश्वर महोत्सव में प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर जहां भक्ति गीत प्रस्तुत करेंगे, वहीं भगवान भोलेनाथ के शिव तांडव नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, जय श्रीराम नृत्य नाटिका आदि मनभावन प्रस्तुतियां होंगी।

धार्मिक पर्यटन को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत्

महाकाल की तरह जगमगाएगा ओंकारेश्वर धाम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश के सभी धर्म स्थलों के प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सौभाग्य का विषय है कि हमारे प्रदेश में महाकालेश्वर और ममलेश्वर दो ज्योतिर्लिंग विद्यमान हैं। सिंहस्थ से पहले ओंकारेश्वर धाम को महाकाल की तरह जगमगाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं के प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार की योजनाओं से आस्था के इन केंद्रों की दिव्यता- भव्यता और अधिक बढ़ेगी तथा प्रदेश के प्रति लोगों के आकर्षण और प्रेम में भी वृद्धि होगी । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आदि शंकराचार्य ने बाल्यकाल में प्रदेश के ओंकारेश्वर में आकर निवास किया। उनके दर्शन और शिक्षाओं को आज भी प्रासंगिक माना जाता है। सम्पूर्ण समाज को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य करने वाले आदि शंकराचार्य की विशाल प्रतिमा ओंकारेश्वर में स्थापित है। प्रतिमा स्थल सहित सम्पूर्ण ओंकारेश्वर के समग्र विकास के लिए सभी आवश्यक कार्य सम्पन्न किए जाएं। सिंहस्थ 2028 तक ओंकारेश्वर भी उज्जैन की तरह श्रद्धालुओं और पर्यटकों के विशेष आकर्षण का केन्द्र बने, इस दिशा में सभी प्रयास किए जाएं। यह स्थान प्रदेश के धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन का महत्वपूर्ण केन्द्र है। उन्होंने कहा कि एकात्म धाम ओंकारेश्वर में शिव पंचायतन मंदिर परिसर का विकास महाकाल लोक की तरह किया जाए।

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ओंकारेश्वर में सुविधाओं के विकास से यहां आने वाले श्रद्धालुओं और अन्य पर्यटकों की संख्या निश्चित ही बढ़ेगी। नागरशैली में अयोध्या के राम मंदिर की तरह इस आस्था स्थल में मंदिर का निर्माण प्रदेश की विशेष पहचान में सहायक होगा। एकात्म धाम और क्षेत्र में आने-जाने के सुविधाजनक मार्गों के निर्माण और प्रस्तावित रोप-वे की व्यवस्था के लिए समय-सीमा में कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

पर्यटन

प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान : सीएम डॉ. यादव

विविधताओं से समृद्ध है हमारा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार सभी क्षेत्रों को समान रूप से बढ़ावा दे रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित की गई। इससे पहले रीवा और उज्जैन में टूरिज्म को लेकर ऐसी ही कॉन्क्लेव आयोजित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समृद्ध वन क्षेत्र और वन्य जीव पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। कूनो में देश का पहला राष्ट्रीय चीता अभ्यारण्य है। साथ ही चंबल नदी के आसपास घड़ियाल अभ्यारण्य भी है। कछुओं की लुप्त प्रजातियों का भी संरक्षण मध्यप्रदेश में किया जा रहा है। माधव नेशनल टाइगर पार्क को इसी साल लोकार्पित किया गया है। पर्यटन विकास के जरिए प्रदेश का भविष्य और उज्ज्वल और समृद्ध हो, सभी युवाओं को रोजगार मिले, हमारी सरकार इसी भावना से काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के कई स्थान हैं। देश में कुल 66 स्थान विश्व धरोहर स्थल के रूप में चिन्हित किए गए हैं, इनमें से 27 मध्यप्रदेश में स्थित हैं। यह राज्य के लिए बेहद गौरव की बात है। इस कॉन्क्लेव के जरिए ग्वालियर एवं चंबल अंचल में पर्यटन विकास को एक नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश पर्यटन विविधताओं से भरपूर है। रेवांचल में सरसी आईलैंड देखने पर गोवा और अंडमान निकोबार की अनुभूति हो रही है। हमारा मध्यप्रदेश पर्यटन विविधताओं और विभिन्न विशिष्टताओं से भरा हुआ है, प्रदेश का पर्यटन दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करता है।

सरसी आईलैंड में पर्यटन सुविधाओं का अवलोकन

आईलैंड में पर्यटक सुविधा केंद्र, 3 वोट क्लब, 10 आवासीय कक्ष, रेस्टोरेंट एवं बार, कॉन्फ्रेंस हाल, जिम, लाइब्रेरी, चिल्ड्रन प्ले एरिया तथा अन्य खेल सुविधाएं जैसे बेडमिंटन, टेबिल टेनिस, स्टार ग्रेबिंग, सैंड वॉलीवाल, साइकिलिंग आदि की सुविधाएं, लैड स्केपिंग एवं गार्डन का विकास, 40 किलो वाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित किया गया है। सरसी आईलैंड के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये इसे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व तथा संजय नेशनल पार्क से जोड़ा जायेगा।

इम्पैक्ट फीचर/D-16137/25